लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 11

24 नवम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र के लिए एसपीवी

11. श्री नलिन कुमार कटीलः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में ऑटोमोबाइल और निर्माण, आदि क्षेत्र में इस्पात की मांग में आई कमी की वजह से इस्पात उत्पादन प्रभावित हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का विचार इस्पात संयंत्रों के लिए आवश्यक उपस्कर के विनिर्माण के लिए विशेष प्रयोजन माध्यम (एसपीवी) स्थापित करने का है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसे कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं तथा इस्पात संयंत्रों में उपस्कर की आवश्यकता को पूरा करने तथा ऐसी सामग्रियों के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गये?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) और (ख): गत दस वर्षों के दौरान क्रूड इस्पात के उत्पादन के आंकड़े नीचे दिये गये है:-

गत दस वर्षों के दौरान भारत में क्रूड इस्पात का उत्पादन		
वर्ष	मात्रा (हजार टन में)	वर्ष दर वर्ष परिवर्तन प्रतिशत में
2003-04	38727	11.58
2004-05	43437	12.16
2005-06	46460	6.96
2006-07	50817	9.38
2007-08	53857	5.98
2008-09	58437	8.50
2009-10	65839	12.67

2010-11	70671	7.34
2011-12	74292	5.12
2012-13	78417	5.6
2013-14	81693	4.2
स्रोत : संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)		

गत तीन वर्षों के दौरान अर्थव्यवस्था में मन्दी के कारण उत्पादन कुछ हद तक प्रभावित हुआ है।

(ग) से (ड.): इस्पात एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र है। इस्पात संयंत्रों के लिये उपस्करों के विनिर्माण हेतु इस्पात संयंत्रों की स्थापना करने में सरकार की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं होती है।

***